माली (सैनी) समाज ने शनिवार को मुम्बई में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत समारोह आयोजित किया। समारोह को संबोधित करते हुये मु.मंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की अहम भूमिका हैं। मु.मंत्री वर्तमान में ''राइज़िंग राजस्थान'' समिट के प्रमोशन के सिलसिले में मुम्बई में हैं तथा प्रदेश सरकार इस समिट को प्रमोट करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

# मुम्बई के माली समाज ने मुख्यमंत्री भजनलाल का स्वागत किया

- मुख्यमंत्री ''राइज़िंग राजस्थान'' में प्रवासी राजस्थानियों को बड़ी संख्या में भागीदारी करने का आव्हान किया।
- मुख्यमंत्री ने कहा, विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की अहम् भूमिका है।

मुंबई/जयपुर, 31 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और दुनिया में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों और कार्यों से राजस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की भी अहम भूमिका है। शर्मा शनिवार को मुंबई में माली (सैनी) समाज द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार प्रदेश में निवेश करने वाले निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 'राइज़िंग राजस्थान' सम्मेलन में प्रवासी राजस्थानी भी अधिक से अधिक संख्या में भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अंत्योदय की भावना निहित है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है कि जरूरतमंद को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करें और उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाएं।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति एवं विकास के साथ समाज सेवा में भागीदारी निभाकर प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुंबई माली (सैनी) समाज के विभिन्न गणमान्यजन उपस्थित रहे।

# जोधपुर में एक और नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

- महात्मा गांधी अस्पताल दुष्कर्म काण्ड पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच यह मामला सामने आने से जनाक्रोश भड़क उठा है।
- अगस्त महीने में जोधपुर में दुष्कर्म के पांच केस सामने आ हो चुके हैं।
- मामले में पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज करवाकर उसका मैडिकल करवाया और जांच शुरु कर दी।

जोधपुर, 31 अगस्त (कास)। जोधपुर शहर में नाबालिग से दुष्कर्म की वारदात ने पूरे शहर में आक्रोश पैदा कर दिया है। जोधपुर के पूर्वी इलाके में घर लौट रही छात्रा के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म और मारपीट की। जोधपुर में बीते 18 दिनों में दुष्कर्म की यह पांचवीं घटना है।

अगस्त महीने में जोधपुर में दुष्कर्म के पांच केस सामने आ हो चुके हैं। कमिश्नरेट के जिला पूर्व के एक थाना क्षेत्र में दरिंदे ने 17 साल की किशोरी को दुष्कर्म का शिकार बनाया। किशोरी फॉर्म भरकर वापस लौट रही थी। रास्ते में दो युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गए। एक कमरे में युवक ने रेप किया, जबकि अन्य युवक ने उसके साथ मारपीट की।

किशोरी ने घर जाकर अपने परिजनों को घटना बताई। इस पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाई और दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के परिजनों ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि किशोरी शुक्रवार को फॉर्म भरने गई थी। लौटते वक्त रास्ते में उसे दो युवक मिले। वे किशोरी को बाइक पर बैठाकर सुनसान जगह पर ले गए। वहां पर तीन युवक पहले से मौजूद थे। इनमें से एक युवक ने किशोरी से रेप किया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित के बयान दर्ज करवाकर उसका मेडिकल करवाया। डी.सी.पी. आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस पीड़ित के मजिस्ट्रेट के सामने बयान करवाएगी।

राज्य मेला प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री रमेश बोराणा ने नगर में पिछले 18 दिन में 5 वीं बलात्कार की शर्मनाक घटना पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि देश विदेश में अपनी संस्कृति व सद्भाव के लिए जाने वाले जोधपुर के सुनहरे चेहरे पर सरकार व प्रशासन के नकारेपन ने कालिख पोत दी है जोधपुर शहर में भय व दहशत का माहौल है, विशेष रूप से बच्चियें व महिलायें आतंकित है। शहर में भादो मास के विभिन्न महिला भागीदारी के मेले-उत्सव दुष्कर्मियों के खौफ से प्रभावित हो रहे हैं।

बोराणा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार व पुलिस का इक़बाल ख़त्म हो गया है।

जन प्रतिनिधियों पर इन महिला अत्याचार की घटनाओं का कोई असर नहीं हो रहा है, न ही वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। बोराणा ने कहा कि राज्य की भजनलाल सरकार अपनी निंद्रा तोड़े और प्रदेशवासियों को अपने व सरकार के होने का अहसास कराते हुए क़ानून व्यवस्था को प्रभावी करें, अन्यथा जनता अपनी सुरक्षा के लिए ख़ुद सड़कों पर उतर आई तो ज़िम्मेदार सरकार ही होगी।

## साइबर फ्रॉड केस ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि फरवरी 2022 में याचिकाकर्ता ने साइबर पुलिस थाने में उसकी सिम को स्वैप कर 60 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड का केस दर्ज कराया था। मामले की जांच में पता चला कि उसकी रकम पश्चिम बंगाल व उड़ीसा के छोटे-छोटे खातों में जमा हुई और पूरा रुपया उसी दिन कैश करा लिया गया। पुलिस को अनुसंधान में आरोपियों के नाम भी पता चल गए हैं, लेकिन ना तो उनसे रुपए की रिकवरी हुई और ना ही उनकी गिरफ्तारी ही हुई।

मामले में पुलिस ने मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी को भी नोटिस दिया, लेकिन उसने दो साल में यह नहीं बताया कि उसने किसे सिम जारी की थी। ऐसे में याचिकाकर्ता की एफ.आई.आर. पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए जाए।

# प्र.मंत्री मोदी के स्वघोषित...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रकट हुये तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नई दिल्ली स्थित आवास पर उन्हें फूल भेंट करते हुये नज़र आये। इसके एक दिन बाद चिराग स्वयं भी गृहमंत्री से मिले तथा यह आशंका जताई कि भाजपा नेता उनके (चिराग) पर कतरने के लिये पारस का उपयोग कर सकते हैं। इस बीच, भाजपा विधायक मुकेश रोशन ने यह दावा करते हुये बिहार के राजनैतिक माहौल में खलबली पैदा कर दी कि एल.जे.पी. (आर.वी.) के पाँच में से तीन सांसद भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

सर्वविदित है कि चिराग अब भी कहते हैं कि ''धरती की कोई भी ताकत प्रधानमंत्री मोदी से उनकी नज़दीकी को प्रभावित नहीं कर सकती।'' लेकिन 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों तक के महीनों में राजनैतिक हवाएं जिस दिशा में बहेंगी, उसको लेकर वे चिन्तित भी दिखाई दे रहे हैं। चिराग की उलझनों की इस स्थिति के कुछ संकेत उनके हाल ही के बयानों के जरिये सामने आये हैं। जब एक इन्टरव्यू में उनसे पूछा गया कि वे अपने चाचा पारस तथा आर.जे.डी. नेता तेजस्वी यादव में से किसका चयन करना चाहेंगे, तो वे तेजस्वी यादव के बारे में प्रशंसा एवं सम्मान के लहजे में बोले। जहाँ तक झारखंड विधानसभा चुनावों का प्रश्न है, चिराग घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी, भले ही उन्होंने यह जोड़ दिया हो कि ''बेहतर यह होगा कि भाजपा के साथ कोई चुनाव-पूर्व समझौता हो जाये।'' हाल ही के दिनों में वे उस व्यथा को भी अभिव्यक्त कर रहे हैं, जो उन्हें उस समय महसूस हुई थी, जब उनके पिता राम विलास पासवान की मृत्यु के बाद, भाजपा ने उन्हें असहाय स्थिति में छोड़कर, उनके चाचा पारस को अपनाया था। अभी हाल ही एक ट्वीट में चिराग ने कहा, ''जब मेरे अपने खून ने ही मेरी पीठ में छुरा भोंक दिया, तो मैं बाहर के लोगों की शिकायत क्या करूँ।''

## 8 सितम्बर....

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

की विदेश यात्रा के सफल रहने की उम्मीद करते हैं।

राहुल की यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं और डैमोक्रैटिक पार्टी की तरफ से जो बाइडन की जगह कमला हैरिस रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रम्प को चुनौती दे रही है। मई 2023 में गांधी 6 दिन की यात्रा पर अमेरिका गए थे, तब उन्होंने 6 शहरों का दौरा किया था और एन.आर.आई. समुदाय, उद्योगपतियों व पत्रकारों से वार्ता की थी। इस दौरान वे भारतीय लोकतंत्र के भविष्य, बोलने की आज़ादी और सतत आर्थिक विकास पर अपना पक्ष रखा था।

## राहुल गांधी ने...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पर जारी एक संदेश में कहा देश मे युवाओं के बीच बढ़ता आत्महत्या दर बहुत ही दुखद और चिंताजनक है। पिछले दशक में जबकि 0-24 आयु के बच्चों की जनसंख्या 58.20 करोड़ से घटकर 58.10 करोड़ हो गई, छात्र आत्महत्याओं की संख्या चौंकाने वाले रूप से 6,654 से बढ़कर 13,044 हो गई।

उन्होंने कहा भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है- अफसोस की बात है कि इस शक्ति को सही इस्तेमाल की सुविधाओं की जगह उन्हें कठिनाइयां और मजबूरियां मिल रही हैं। ये सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत ही गहरी समस्याओं की ओर इशारा कर रहा है। भयंकर बेरोज़गारी, पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार, महंगी पढ़ाई, सामाजिक उत्पीड़न, आर्थिक असमानता, माता-पिता का दबाव- आज के विद्यार्थी ऐसी अनगिनत समस्याओं से जूझते हुए सफलता तलाशने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने सरकार से इस समस्या का निदान निकालने का आग्रह करते हुए कहा मेरी सरकार से अपेक्षा है कि वह विद्यार्थियों और युवाओं के इस कठिन रास्ते को आसान करने की हर संभव योजना बनाए-उनके रास्ते में बाधाएं नहीं, उन्हें समर्थन पहुंचाएं। राहुल गांधी ने ब्च्चों के माता-पिता से भी अनुरोध करते हुए कहा विद्यार्थियों के माता-पिता और अभिवावकों से अनुरोध है की उन्हें मानसिक समर्थन और प्रोत्साहन दें और देश के युवा साथियों से अपील है समस्याओं के विरुद्ध आवाज़ उठाओ, सवाल करो, अपना हक़ मांगो- डरो मत। मैं आपके साथ खड़ा हूं और आपके अधिकार दिलाने के लिए सड़क से संसद तक लड़ता रहूंगा।

# अजमेर में विमंदित युवती से पड़ौसी युवक ने दुष्कर्म किया

## लोगों ने युवक की धुनाई कर पुलिस के हवाले किया

- पुलिस ने जांच शुरु की और आरोपी युवक व युवती का अस्पताल में मैडिकल करवाया।
- पुलिस ने बताया, गंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी 20 वर्षीय विमंदित पुत्री के गायब होने की रिपोर्ट दी थी।

अजमेर, 31 अगस्त (कासं)। अजमेर के गंज थाना क्षेत्र में एक विमंदित युवती से पड़ौसी युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। संदिग्ध अवस्था में युवती के साथ मिलने पर लोगों ने युवकी की जमकर पिटाई कर दी और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्लॉक टावर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि गंज थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसकी 20 वर्षीय मंदबुद्धि पुत्री लापता है। युवती की आस-पास के मौहल्ले में तलाश की गई। जांच में सामने आया कि पड़ौस में रहने वाला युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। पास ही दोनों संदिग्ध हालत में मिले, जिसे देख क्षेत्रवासियों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने युवक की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट के बाद आरोपी युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। यह घटना अलसुबह तीन बजे की है, युवती के परिजन उसे घर में न पाकर आसपास के क्षेत्र में उसकी खोजबीन में जुट गये थे।

एस.पी. देवेंद्र कुमार विश्नोई ने कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं नैतिक पतन की ले जाने वाली होती है। उन्होंने गंज थाना प्रभारी के अवकाश पर होने के कारण मामले की जांच क्लॉक टावर थाना प्रभारी दिनेश कुमार को सौंपी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक व मंदबुद्धि युवती का जे.एल.एन. अस्पताल में मैडिकल करवाया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी युवक से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है।

## 'चीन के निवेश की समीक्षा हो '

नई दिल्ली, 31 अगस्त। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन के साथ भारत के जटिल रिश्तों पर बात करते हुए कहा कि भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जिसे चीन के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नई दिल्ली में एक सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, हमारे लिए सीमा पर मुश्किलों के अलावा चीन एक जटिल समस्या है, मगर हम दुनिया के एकमात्र देश नहीं हैं जो चीन पर बहस कर रहे हैं। यूरोप जाएं और पूछें कि आज उनके प्रमुख आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों में क्या है? यह चीन ही है। अमेरिका भी चीन के प्रति बहुत सजग है। जयशंकर ने इस बात पर भी जोर देते हुए कहा कि भारत में चीन से जुड़े निवेशों की समीक्षा होनी चाहिए।

जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत की समस्याएं चीन के साथ विशेष हैं, जो वैश्विक चिंताओं से भी परे हैं। उन्होंने कहा, ''दशकों पहले दुनिया ने चीन में समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया था। अब सभी देशों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भारत को चीन के साथ एक खास समस्या है, जो बाकी दुनिया की सामान्य चीन समस्या से ऊपर है। इस स्थिति के मद्देनजर, भारत को उचित सावधानियां बरतनी चाहिए।''

भारतीय महिला निशानेबाज़, रुबीना फ्रांसिस ने शनिवार को पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। फ्रांसिस ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 के फाइनल में 211.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पिस्टल स्पर्धा में पदक जीतने वाली रुबीना पहली भारतीय पैरा निशानेबाज एथलीट बन गई हैं। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में निशानेबाजी में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे। पेरिस पैरालंपिक में भारत एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत चुका है। पेरिस पैरालंपिक में भारत का निशानेबाजी में यह चौथा और कुल मिलाकर पांचवां पदक है।

## यू.डी.एच...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अदालत ने 6 सितंबर 2023 को जांच अधिकारी को बदलने का निर्देश देते हुए याचिकाकर्ता को सुनवाई का पूरा मौका देने के लिए कहा था।

वहीं जांच छह महीने में पूरी नहीं होने की स्थिति में उसके प्रतिवेदन दिए जाने पर बहाल करने पर विचार करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के पालन में डी.एल.बी. निदेशक ने 26 फरवरी 2024 को याचिकाकर्ता को बहाल करने की सिफारिश की। वहीं याचिकाकर्ता ने 29 फरवरी 2024 को यू.डी.एच. विभाग में अपना प्रतिवेदन दिया, लेकिन प्रमुख यू.डी.एच. सचिव ने डिस्कस करने के नाम पर उसके प्रतिवेदन पर पांच महीनों में भी कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि सी.एस. कह चुके हैं कि डिस्कस के नाम पर किसी भी फाइल को नहीं रोका जाएगा। इसलिए अदालती आदेश की पालना करवाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

# 'एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुयी'

## प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के मुकाबले दुनिया की अर्थव्यवस्था में 35 फीसदी का इजाफा ही हुआ है

- प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी कम करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की उपलब्धियों को देखते हुए भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा है। यह आत्मविश्वास भारत के विकास और सुधारों में एक नए विश्वास को दर्शाता है।

नयी दिल्ली 31 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले एक दशक में देश की अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसके मुकाबले में दुनिया की अर्थव्यवस्था 35 फीसदी ही बढ़ी है।

मोदी ने दिल्ली में ई.टी. वर्ल्ड लीडर्स फोरम में भारत की आर्थिक प्रगति, गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास पर रोशनी डालने के साथ ही पिछले एक दशक में भारत की प्रगति और लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी कम करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हुआ है जो लगातार विकास का नतीजा है जिसका वादा किया गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विकास की यह रफ्तार भविष्य में भी जारी रहेगी। ये विकास सिर्फ वादा नहीं, बल्कि एक हकीकत है जो आगे भी बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का मंत्र सरकार के कामकाज का आधार रहा है। इस मंत्र के तहत कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इससे भारतीयों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा हम भारतीयों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाने में कामयाब हुए हैं। इन सुधारों से देश में जीवन स्तर बेहतर हुआ है और प्रगति को गति मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की उपलब्धियों को देखते हुए भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा है। यह आत्मविश्वास भारत के विकास और सुधारों में एक नए विश्वास को दर्शाता है। कई देशों में जहां सरकारों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वहीं भारत की स्थिति अलग है। भारत के युवाओं और महिलाओं ने निरंतरता और राजनीतिक स्थिरता के लिए वोट दिया है, जो चल रही प्रगति और स्थिर सरकार के प्रति उनके समर्थन को दर्शाता है।

मोदी ने कहा कि भारत की उपलब्धियां अब वैश्विक सुर्खियां बन गई हैं। पिछले एक दशक में 25 करोड़ से ज़्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं जिससे एक नए मध्यम वर्ग का उदय हुआ है। जहां एक तरफ गरीबों के पास अपनी आकांक्षाएं थीं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें बैंक खाते और बुनियादी सुविधाओं जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता था। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने गरीबों को सशक्त बनाने का रास्ता चुना और इसके चलते काफी बदलाव आया है।

मोदी ने कहा कि 100 दिनों से भी कम समय में सरकार ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों को लाभान्वित करने वाले महत्वपूर्ण सुधारों को लागू किया है।

इन सुधारों में उच्च उपज वाले बीजों को पेश करना और 11 लाख नई लखपति दीदी बनाना शामिल है।

## कमला हैरिस ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

करना है। ट्रम्प का समर्थन उनके वोट बैंक में कायम है। उनके 64 प्रतिशत मतदाता उनकी नीतियों की वजह से उनके साथ हैं। आर्थिक प्रबंध के मुद्दे पर ट्रम्प को पसंद किया जा रहा है पर गर्भपात संबंधी नीति के मुद्दे पर हैरिस को समर्थन 31 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2022 में आए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

इस पोल में अमेरिका के 425 वयस्कों और 3562 रजिस्टर्ड वोटर्स ने भाग लिया था जो कि राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में भारी बदलाव है। निर्दलीय प्रत्याशी रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनिया ने 23 अगस्त को प्रचार समाप्त कर दिया था, उन्हें 6 प्रतिशत समर्थन मिला है।

## चेन्नई के ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

सीज किए गए इन ड्रग्स को मराईमलाई नगर पुलिस स्टेशन में रखा गया है। वहीं, तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एक छात्रा ने वाई-फाई तकनीशियन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इसे लेकर सैकड़ों छात्रों ने शुक्रवार को धरना दिया। छात्रा के साथ यह घटना तब हुई, जब शहर के बाहरी इलाके थुवाकुडी में परिसर के अंदर महिला छात्रावास के कमरे में अकेली थी। छात्रों के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर कार्यरत तकनीशियन की पहचान जी. कथिरेसन के रूप में हुई, जो गुरुवार सुबह वाई-फाई राउटर को ठीक करने के लिए पीड़िता के कमरे में गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीशियन ने कथित तौर पर छात्रा के सामने कुछ इशारे किए। जब इंजीनियरिंग स्टूडेंट ने हॉस्टल के अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई, तो महिला छात्रावास वार्डन की ओर से उस पर असंवेदनशील टिप्पणी की गई। महिला हॉस्टल वार्डन ने पीड़िता के पहनावे की भी आलोचना की, जिससे छात्रों में आक्रोश व्याप्त हो गया। छात्रा के माता-पिता ने तिरुवरम्बुर में ऑल विमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की, जिसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 332(3) और 75(1) के साथ-साथ तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया।

# अतिरिक्त महाधिवक्ता...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

के अनुसार पद्मेश मिश्रा के पास वकालत करने का अधिक से अधिक पांच वर्ष का अनुभव है। याचिकाकर्ता के अनुसार राज्य सरकार ने वाद नीति में संशोधन केवल और केवल इसलिये किया है ताकि वह मनमाने तरीके से उपर वर्णित अधिवक्ता को अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित कर सके, जबकि क्लॉज़14.4' अभी भी लागू है।

याचिकाकर्ता का कहना है राज्य सरकार ने जो नया संशोधन लागू किया है उससे ऐसा लगता है कि क्लॉज़ 14.4 निष्प्रभावी हो गया है जबकि उसे संशोधन उसे हटाया नहीं गया है। याचिका में कहा गया है कि वाद नीति, 2018 से पूर्व वाद नीति,2011 लागू थी, जिसमें भी 10 वर्ष से कम अनुभव रखने वाले अधिवक्ता को भी अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्त किया जा सकता था, परंतु 2018 में इस नीति में संशोधन किया गया कि अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद के लिये उम्मीदवार अधिवक्ता को हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।

याचिकाकर्ता का कहना है कि उपरोक्त वर्णित अधिवक्ता को 20 अगस्त को ही पैनल लॉयर नियुक्त किया गया था क्योंकि हो सकता है कि नियुक्ति के दिन तक उन्होंने पद को पाने के लिये आवश्यक पांच वर्ष का अनुभव अर्जित कर रखा था, परंतु हैरानी की बात है कि तीन दिन बाद ही कैबिनेट से मंजूरी प्राप्त करके वाद नीति में संशोधन किया गया और उसी दिन इन्हें अतिरिक्त महाधिवक्ता घोषित किया गया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया मनमाने तरीके से अपनाई गई प्रक्रिया प्रतीत होती है क्योंकि संशोधन के बाद जोड़े गए 'क्लॉज़ 14.8' ऐसा कोई भी नियम नहीं दर्शाता, जिससे उम्मीदवार अधिवक्ता की वकालत के क्षेत्र में योग्यता निर्धारित की जा सके। याचिकाकर्ता का तो यह तक कहना है कि उपरोक्त वर्णित अतिरिक्त महाधिवक्ता को नियुक्त करने से पूर्व राज्य के महाधिवक्ता से ही सलाह नहीं ली गई थी, जो कि वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.2' के अनुसार आवश्यक हैं। इसके अलावा वाद नीति के 'क्लॉज़ 14.5' और 'क्लॉज़ 14.7' में वर्णित छंटनी के लिये आवश्यक प्रक्रिया को दो दिन में पूरा नहीं किया जा सकता , इससे स्पष्ट होता है राज्य सरकार ने जल्दबाजी में यह नियुक्ति की है।

उन्होंने कहा कि सरकारी अधिवक्ता नियुक्त किए जाने की प्रक्रिया स्पष्ट और साफ होनी चाहिये, जो इस मामले में नहीं अपनाई गई है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908